श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

प्रथम वर्ष - अभ्यास - २

जुलाई-/2022
गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ मे दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

२०

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो -

१. सूक्ष्म जीव चौदह .... में ठूंस ठूंस कर भरे हुए है ।
२. अग्नि .... है इसके संपर्क में जो आवे उसे जला कर राख कर दे ।
३. रात्रिभोजन ....करने योग्य है ।
४. संवेग-निर्वेद युक्त देशना सुनकर भरत महाराजा के पुत्र .... को वैराग्य हुआ ।
५. खास जरुरत के बगैर न बोलना वह .... है ।
६. जिसकी लक्ष्मी .... में ही व्यय होती हो उसके लिये दान देना कठीन है ।
७. लोभ को जीतने के लिये .... करना सीखना चाहिये ।
८. सुंदर जयणा पालन के लिये .... करना सीखना चाहिये ।
९. जीवन में शांति और प्रसन्नता का साम्राज्य स्थापित करना है तो .... का त्याग कर देना चाहिये ।
१०. कुछ साधारण वनस्पतिकाय के सेवन से प्रकृति .... बनती है ।
११. आभियोगिक देवों द्वारा लाये हुए .... के जल से इंद्र ने प्रभु के शरीर को स्नान करवाया ।
१२. जिस जीव को जितनी पर्याप्ति कही है वह पूर्ण किये बगैर मृत्यु पामे वह .... जीव है ।
१३. हारमोनियम, बांसुरी, फूंकनी वगैरह के उपयोग में भी .... की विराधना होती है ।
१४. .... के अक्षर पंच परमेष्ठि के प्रतीक हैं ।
१५. लब्धिवीर्य .... कर्म के क्षयोपशम से प्राप्त होता है ।
१६. माता-पिता के दिल से निकली .... में हरे भरे बाग को जंगल में तब्दील करने की ताकत है ।
१७. उपद्रव वाले स्थानों में रहकर बच्चे .... पर चले जाने की संभावना रहती है ।
१८. महानुभावों की सेवा हमारे अंतर में .... का प्रकाश फैलाकर हमें सन्मार्ग के सच्चे पथिक बनाते है ।
१९. दीक्षा के दूसरे दिन तीसरे प्रहर में प्रभु ने छठ्ठ तप के पारणे हेतु .... किया ।
२०. किसी ने दी न हो ऐसी पराई कोई भी चीज वस्तु लेना नहीं वह .... व्रत है ।

१५

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो -

१. सब रोगों का मूल क्या ?
२. हमें सभी जगह अप्रिय कौन बनाता है ?
३. जिस क्रिया अथवा नियमों के अनुसरण से सम्यक चारित्र की वृद्धि हो उसे क्या कहते है ?
४. जीव जहाँ उत्पन्न होता है, वहाँ प्रथम क्या ग्रहण करता है ?
५. संस्कार और शिक्षण द्वारा हमें कौन संस्कारित करता है ?
६. जीव से शिव बनने की यात्रा का सुन्दर मार्ग किसमें दर्शाया गया है ?
७. हमारी जीभ को अपवित्र कौन बनाता है ।
८. महा पुरुषो के मार्ग का अनुसरण करने के लिये जीवन में जिन गुणों की आवश्यकता है उन्हें किस नाम से जाना जाता है ।
९. श्रावक की कुलदेवी कौन ?
१०. कांदा, लहसुन वगैरह खाने से जीवन में किसका प्रमाण बढता है ?
११. धर्मचक्र तीर्थ की स्थापना किसने की ?
१२. विशाल श्रुत सागर का खजाना हमें किसने दिया ?
१३. सोमयशा के पिता का नाम क्या था ?
१४. कलेवर का दूसरा नाम क्या है ?
१५. साधु की भक्ति करते सम्यग् दर्शन की प्राप्ति किसे हुई ?

१०

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो -

१. जाल २) आण-पाण ३) मद ४) पजत्ता ५) किसलय ६) मत्थेण ७) तवो ८) फ्तेआ ९) मणे १०) उप्भामग ११) धारयति
१२. जावणिज्जाओ १३) चरितं १४) उक्कालिया १५) इग १६) जियठाणा १७) असन्नि १८) भूमिकोडाय
१९) नियुण २०) चरण सित्तरी

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) हर्ष	१) पर्याप्ति	६) भाषा	६) आंतर शत्रु
२) उद्यान	२) मित्यात्वी देवी	७) गच्छ के नायक	७) शकटमुख
३) जीवन का श्रृंगार	३) उपांग	८) गांधारी	८) कषाय
४) अर्णिकाचार्य	४) आचार्य भगवंत	९) पन्नवणा	९) शील
५) माया	५) ब्रेक	१०) निंद्यप्रवृत्ति	१०) महाविद्या

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. साधु मुनिराज के गुण कितने ?
२. द्विइन्द्रिय को कितने प्राण होते है ?
३. राजा ने माछीमार को कितनी सोनामहोर दी ?
४. मद कितने प्रकार के हैं ?
५. श्रावक के गुण कितने हैं ?
६. चारित्र के भेद कितने है ?
७. धरणेन्द्र ने नमि-विनमि को कितनी हजार विद्याएं दी ?
८. धन की गति कितनी ?
९. उपाध्याय भ. को कितने अंगो का ज्ञान होता है ?
१०. प्रभु के साथ एक समय में उत्कृष्ट अवगाहना वाले कितने सिद्ध हुए ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. वर्तमान में बिजली के निर्माण में जीव विराधना नहीं है !
२. अपर्याप्त जीवों को जघन्य से चार प्राण होते हैं ।
३. घर में से बाहर निकलने के लिये एक ही द्वार होना चाहिये ।
४. सुई के अग्रभाग जितने साधारण वनस्पतिकाय में अनंत जीव हैं ।
५. बाहुबली ने प्रभु को पाँच बार आवाज दी ।
६. इन्द्रियों का गुलाम कभी सुखी नहीं होता ।
७. पाँच आचार और तीन गुप्ति मिलकर "अष्टप्रवचन माता" है ।
८. वैभव तो न्यायसंपन्न होना ही चाहिये ।
९. इच्छा निरोध द्रव्य तप है ।
१०. इशानेन्द्र ने प्रभु की उपर की दाढा ली ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. अपना वेश अपने कुल एंव खानदान की मर्यादानुसार होना चाहिये ।
२. वस्तु के सामान्य धर्म को जानने की जीव की शक्ति वह दर्शन है ।
३. जरा सहन करने की आदत डालें, तो सभी जीवों को अभयदान मिल जाये ।
४. निंदक देव गुरु-धर्म की निंदा करने में भी पीछे हठ नही करता ।
५. अन्याय अनिती से प्राप्त किया हुआ वैभव जीवन में व्यसन और दुरचार को लाकर जीवन को मुरझा देता है ।
६. आज का मानव अपने मंतव्य को ही अंतिम सत्य समझ बैठा है ।
७. प्रभु के दर्शन से श्रेयांस को जातिस्मरण ज्ञान हुआ ।
८. संसार छोडने जैसा है.... संयम स्वीकारने जैसा है ।
९. शरीर की शोभा टापटीप करे नहीं ।
१०. द्वार पर अतिथि का आगमन भी पुण्ययोग का उदय माना जाता है ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. जीव विचारके अभ्यास से जीवन में परिवर्तन २) जैन ध्वज ३) निंदात्याग
४. सुपात्रदान की विधि ५) ब्रह्मचर्य की वाड

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :

शत्रुंजय अेकेडर्मी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,

www.shatrunjayacademy.com